

निर्णय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी चित्तौड़गढ़

पीठासीन अधिकारी : श्याम सुन्दर विश्णोई डार ए. ए. एल.
प्रकरण संख्या : 96/2021 प्रार्थना पत्र (2021/179)

अज्ञान

सावित्रीदेवी पत्नी सोहनलाल जी खतीक निवासी बहली
तहसील व जिला चित्तौड़गढ़ — प्रार्थीया

वनाम

राजस्थान सरकार जरिए भूमिधारी तहसीलदार चित्तौड़गढ़
— विपक्षी

कार्यवाही: अर्जेंट धारा 251 ए आर. टी. ए.
उपबिधि:

निर्णय

दिनांक 14/10/2021

संक्षेप में विवरण प्रकरण इस प्रकार है प्रार्थीने
किरूड विपक्षी प्रार्थना पत्र अर्जेंट धारा 251 ए आर. टी. ए. इस
आशय का प्रस्तुत किया कि प्रार्थीया के अधिपत्य उपयोग
उपयोग व खतेदारी की कृषि भूमि ग्राम धापिया रेडी पत्वार
हल्का सोनगर तहसील व जिला चित्तौड़गढ़ में आराजी नम्बर
96; 99, 100, 101, 102 मी. कुल कीता 5 फुल रकबा 1.4550 हे०
स्थित हैं। प्रार्थीया के खतेदारी की उक्त भूमि पर आने जाने
के लिए कादेमी रास्ता आराजी नम्बर 101 के उत्तर दिशा में पूर्व
की तरफ स्थित आ. नं. 113 क्लेम बिलानाम होकर कच्चा रास्ता
आ. नं. 56 से जाती है, जिससे प्रार्थीया व उल्का परिवार
उक्त वांछित खतेदारी की कृषि भूमि पर आने जाणे व फसल
लाने - लेजाने व कृषि उपकरण ट्रैक्टर गैरेजी आदि लाने ले
जाने के श्य में उपयोग करती चली आ रही हैं। इसके अलावा



अज्ञान
सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौड़गढ़

अन्य कोई रास्ता प्रार्थिया की कृषि भूमि पर आने जाने का नहीं है। प्रार्थिया विलानाम अ. नं. 113 में से रास्ते के लिए भूमि की डी. एल. सी शर्षी जमा कराने को वैधानिक है।
 उक्त प्रार्थिया का प्राथमिक पत्र स्वीकार फलामा जामा प्रार्थिया की स्वतंत्र कृषि भूमि आशजी नम्बर 101 के उत्तर दिशा में स्थित विलानाम आशजी नम्बर 113 में 30 फीट चौड़ा व 60 फीट उत्तर-दक्षिण लम्बा रास्ता जो कि कच्चे रास्ते आशजी नम्बर 56 से मिलता है, को राजस्व रेकार्ड में रास्ता दर्ज कराने का आदेश प्रदान करने।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षी को तलब किया गया। तहसीलदार चित्तौड़गढ़ से मौका जंच रिपोर्ट तलब की गई। विपक्षी की ओर से पेशेका (सबकार) उपस्थित एवं प्रत्यक्ष प्रस्तुत किया गया।

तहसीलदार चित्तौड़गढ़ द्वारा जरिअ पत्रांक राजस्व/2021/94 दिनांक 29/7/2021 से मौका रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिलेके अनुयात ग्राम छापियारखेडी प. ह. लोनाग की जमाबन्दी सूच्य 2068-71 के खात सख्या 57 में वर्णित आशजी सं. 96, 99, 100, 101, 102 में कीता 5 कुल रकबा 1.4550 हे. भूमि प्रार्थिया के नाम स्वतंत्री हक से दर्ज रेकार्ड है। प्रार्थिया की उक्त निजी आशजीगत पर आने जाने हेतु कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं उपलब्ध नहीं है। प्रार्थिया अपनी निजी स्वतंत्री अ. नं. 101 के उत्तरी-पूर्वी कोन पर आशजी नम्बर 113 में से 30 फीट चौड़ा रास्ता दर्ज करवाना चाहती है, जो निकरतम एवं लक्ष्यम है एवं किसी प्रकार से कृषिशेख्य भूमि का अतिरिक्त क्षय नहीं है। प्रस्तावित रास्ते में आने वाली भूमि का रकबा $10 \times 16 = 160$ वर्ग मीटर अर्थात 0.0160 हे. है। वर्तमान में ग्राम छापियारखेडी की डी. ए. सी 4751.00 रु. प्रति एयर है जिलेके अनुसार प्रस्तावित भूमि की शर्षी $4751 \times 0.0160 = 7602.00$ रु. जिलेकी दो गुना 15204.00 रु. होने हैं। प्रस्तावित भूमि पर कोई फलदार वृक्ष एवं निमगि वही होकर मौके पर पड़त हैं।



चिन्मय मिश्रा (ई)
 प्रमुख कलेक्टर एवं
 उपखण्ड अधिकारी
 चित्तौड़गढ़ (राज.)

उक्त रिपोर्ट प्रस्तुत होने पर वहल प्रकार
 उभय पक्ष सुनी गयी। हमने पत्रावली का अवलोकन कर
 प्रार्थना पत्र जबकि प्रार्थना पत्र एवं तहसीलदार चित्तौड़गढ़
 से प्राप्त भौषा रिपोर्ट का गहनता से अध्ययन कर वहल उभय
 पक्ष पर गम्भीरता से सतर्क किया। तहसीलदार चित्तौड़गढ़ द्वारा
 प्रस्तुत भौषा रिपोर्ट स्पष्ट एवं उचित प्रतीत होती हैं, जिससे
 प्रार्थना का प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य पाया जाता है।

अतः प्रार्थना का प्रार्थना पत्र इन्तगत धारा 251 ए
 धारा टी-ए हस्त रिपोर्ट तहसीलदार चित्तौड़गढ़ स्वीकार किया
 जाकर प्रार्थना की ग्राम द्यापियारवेडी व-ह. लोन्गा (नित
 शक्रेदारी आ. नं. 96, 99, 100, 101, 102 भी. कीता 5 रकबा 1.4550 हे.
 पर आने वाले हेतु शास्ता कायम करने हेतु ग्राम द्यापियारवेडी
 की आ. नं. 113 रकबा 4.56 हे. किल्लम वंड विलागाम
 भूमि मे से $10 \times 16 = 160$ वर्ग मीटर अर्थात् 0.0160 हे. भूमि की
 कीमत डी एल सी. 4751.00 रुपय प्रति एयर के अनुपात 7602.00 रुपय
 की दो गुना कुल शर्षी 15204.00 @ 15300.00 रुपये पन्द्रह हजार
 तीन सौ रुपय का भुगतान विपक्षी को किए जाने पर, उक्त भूमि
 आ. नं. 113 रकबा 4.56 हे. मे से 160 वर्ग मीटर अर्थात् 0.0160 हे.
 भूमि की किल्लम शास्ता दर्ज करने की स्वीकृति दी जाती है। उक्त
 शर्षी 15300.00 रुपय का भुगतान विपक्षी को करने हेतु प्रार्थना
 उक्त शर्षी का द्राफ्ट प्रस्तुत करें। द्राफ्ट प्रस्तुत होने पर सम्बन्धित
 तहसीलदार को द्राफ्ट एवं राजस्व अभिकरण में अभिलेखित
 हेतु निवेदन की प्रति अद्य भौषा रिपोर्ट के साथ प्राप्त नमशाट्रल
 जिसमे प्रस्तावित शास्ता दर्शाया गया है प्रेषित किए जावे। शर्षी
 शक्रेष मे जमा होने के पश्चात राजस्व रेकार्ड में उक्त भूमि को
 किल्लम शास्ता दर्ज कर भौषा रिपोर्ट के साथ प्राप्त नमशे अनुपात
 रेकार्ड में तस्वीर किया जावे।

निर्णय लिखाया जाकर सुनाया गया।



(स्वामी सुन्दर विष्णोई)
 सहायक जिलाधिकारी एवं
 उपसहायक अभिकर्ता
 चित्तौड़गढ़ (राज.)